



PANDIT AJOY CHAKRABARTY

Pandit Ajoy Chakrabarty is a world-famous legendary Indian Classical Vocalist of India. He is now also regarded as one of the All-time Great Gurus of Indian Music. He is an extra-ordinary, most effective and knowledgeable Vocal Musician and has been performing all-over for last four decades. Despite having such pure classical "Talim" in Dhrupad-Khyal, Thumri, etc., he is strangely adroit, rather a trend setter, in rendering genres of lighter veins like Tappa, Geet, Ghazal, Bhajan, Keertan, Folk, Film/Non-Film numbers of different times in different languages including Sanskrit and even English. It has given him a single distinguished entity as being an absolutely solitary example in the music scenario of our country.

2. Born on 7th January, 1953, Pandit Chakrabarty is blessed by All-time Great Guru Jnan Prakash Ghosh and has learnt more than thirty years from him. His Recorded albums have already crossed 100, published from India, USA, Canada, UK, Germany, Pakistan comprising pure classical numbers including live performances and various other genres -Thumri, Dadra, devotional songs. These comprise Shyamasangeet and many Raga-based Bengali numbers including songs of Tagore and Kazi Nazrul Islam which are the Assets of Music-loving people all over.

3. Pandit Chakrabarty is the only and rarest Musician of India who thought for the constant performance development of the next generation. With his personal contribution and effort, he established “Shrutinandan”, where he is providing training to thousands of children since 1994. His daughter and disciple Kaushiki Chakraborty is the most accomplished and world-renowned female vocalist of our country today and she is the torch-bearer of SHRUTINANDAN Concept. Even the President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam visited Shrutinandan personally, and expressed his willingness to come and learn from Panditjee.

4. Pandit Chakrabarty introduced 'Online Class' to reach the unique Shrutinandan concept of teaching/learning method to every doorstep across the globe. Presently students from different states of India and as many as 9 (nine) foreign lands like South Africa, Japan, England, USA, Canada etc. are enjoying distance learning from Pandit Ajoy Chakrabarty through this Guru-Shishya Parampara Live Online Class which is the only Live Class available, directly by a Maestro like Pandit Ajoy Chakrabarty.

5. Pandit Chakrabarty is the only Vocalist of India invited by Indian Institute Of Technology, Kharagpur as a Distinguished Professor. The first Indian Vocalist to be invited by BBC in its Golden Jubilee Celebration of India's Independence. World renowned personalities like legendary Ambassador of India Pandit Ravi Shankar, Tabla wizard Ustad Zakir Hussain, Nobel Laureate Prof. Roald Hoffman, Music Director and Composer Janab Naushad Ali, great composer Mr. Illayaraja a great singer Shri Manna Dey, Santoor Samrat Pandit Shiv Kumar Sharma, legendary vocalist Dr. M. Balamuralikrishna, all time great Sarode maestro Ustad Ali Akbar Khan, famous Sarodiya Ustad Amjad Ali Khan and Bharat Ratna Awardee Scientist Dr. C.N.R. Rao have also mentioned that Pandit Ajoy Chakrabarty is an unprecedented phenomenon in the history of Indian music as a performer, visionary and creator of SHRUTINANDAN - the only Music institution of its kind.

6. Pandit Chakrabarty is the recipient of many prestigious National Awards of highest order from the Hon'ble Presidents of India - PADMASHREE (2011); Sangeet Natak Akademi (Delhi); Kumar Gandharav (National Award) and the Best Male Playback Singer Award (for Bengali Film). He has been felicitated with the highest Award in Music - MAHA SANGEET SAMMAN and BANGA-BIBHUSHAN SAMMANANA by Hon'ble Chief Minister, West Bengal. He has also received 'Taansen Award' from the Chief Minister of Madhya Pradesh in 2015; Vasavaraj Rajguru Samman in 2014 by Government of Karnataka and Omkarnath Award from the Chief Minister of Gujarat in 2018. He has been honoured with D.Lit. from IIEST,Shibpur, Kalyani University, Panchanan Barma University, Cooch Behar, Adamas University and lately from Techno India University, Kolkata.





पंडित अजय चक्रवर्ती

पंडित अजय चक्रवर्ती भारतीय शास्त्रीय संगीत के विश्वप्रसिद्ध गायक हैं। उन्हें भारतीय संगीत का एक सर्वकालिक महान गुरु माना जाता है। वह बेजोड़, अत्यंत निपुण और प्रकाण्ड शास्त्रीय गायक हैं और पिछले चार दशकों से अपनी गायन कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। ध्रुपद–ख्याल, ठुमरी आदि जैसी विशुद्ध शास्त्रीय तालीम प्राप्त करने के बावजूद वह टप्पा, गीत, गजल, भजन, कीर्तन, लोकगीत तथा संस्कृत और अंग्रेजी सहित विभिन्न भाषाओं में फिल्मी व गैर–फिल्मी गीत जैसी सुगम संगीत विधाओं के पारंगत और नवीनतम शैलीकार हैं। इन गुणों की वजह से, वह हमारे देश के संगीत क्षेत्र की एक अनूठी विभूति और एकमात्र मिसाल हैं।

2. 7 जनवरी, 1953 को जन्मे पंडित चक्रवर्ती को सर्वकालिक महान गुरु ज्ञान प्रकाश घोष से संगीत का आशीर्वाद प्राप्त हुआ और उन्होंने 30 वर्ष से अधिक समय तक उनसे संगीत की शिक्षा प्राप्त की। शास्त्रीय गायन के साथ–साथ लाइव प्रदर्शन और अन्य शैलियों ठुमरी, दादरा, भजन सहित भारत, अमेरिका, कनाडा, यूके, जर्मनी, पाकिस्तान से उनकी 100 से ज्यादा रिकॉर्डेड एलबम जारी हो चुकी हैं। इनमें श्यामासंगीत और हमेशा से संगीत प्रेमियों के प्रिय, टैगोर और काजी नजरुल इस्लाम के राग आधारित बंगाली गीत भी शामिल हैं।

3. पंडित चक्रवर्ती भारत के एकमात्र और विरले संगीतकार हैं जो संगीत प्रदर्शन में भावी पीढ़ी का कौशल बढ़ाने के बारे में चिंतन करते रहते हैं। अपने व्यक्तिगत योगदान और प्रयास से, उन्होंने 'श्रुतिनंदन' की स्थापना की जहां वह वर्ष 1994 से हजारों बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। उनकी सुपुत्री और शिष्या कौशिकी चक्रवर्ती आज हमारे देश की अत्यंत प्रवीण और विश्वविख्यात गायिका हैं, और वह 'श्रुतिनंदन' की संकल्पना को आगे बढ़ा रही हैं। भारत के राष्ट्रपति, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्वयं 'श्रुतिनंदन' आए थे और उन्होंने पंडित जी से संगीत सीखने की आकांक्षा व्यक्त की थी।

4. पंडित चक्रवर्ती ने पूरी दुनिया के प्रत्येक घर तक 'श्रुतिनंदन' की अध्यापन–शिक्षण की अनूठी पद्धति को पहुंचाने के लिए 'ऑनलाइन कक्षा' शुरू की। वर्तमान में, भारत के अनेक राज्यों तथा दक्षिण अफ्रीका, जापान, इंग्लैंड, अमेरिका, कनाडा आदि लगभग 9 देशों के विद्यार्थी पंडित अजय चक्रवर्ती जैसे उस्ताद से गुरु–शिष्य परंपरा की लाइव ऑनलाइन क्लास के जरिए दूरवर्ती शिक्षा से लाभ उठा रहे हैं।

5. पंडित चक्रवर्ती भारत के अकेले गायक हैं जिन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ने एक उत्कृष्ट प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया। वह बीबीसी द्वारा भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह में आमंत्रित किए जाने वाले प्रथम भारतीय शास्त्रीय गायक हैं। भारत के महान संगीत अग्रदूत पंडित रविशंकर, तबला उस्ताद जाकिर हुसैन, नोबेल विजेता प्रोफेसर रोआल्ड हॉफमैन, संगीतकार और संगीत निर्देशक जनाब नौशाद अली, महान संगीतकार श्री इलैयाराजा, प्रसिद्ध गायक श्री मन्ना डे, संतूर सम्राट पंडित शिवकुमार शर्मा, महान गायक डॉ. एम. बालमुरलीकृष्ण सरोद के सर्वकालिक महान उस्ताद अली अकबर खान, प्रसिद्ध सरोदवादक उस्ताद अमजद अली खान और भारत रत्न प्राप्तकर्त्ता वैज्ञानिक डॉ. सी.एन.आर. राव जैसी विश्वविख्यात विभूतियों के अनुसार, पंडित अजय चक्रवर्ती एक कलाकार, दूरदर्शी और अपने किस्म के एकमात्र संगीत संस्थान 'श्रुतिनंदन' के संस्थापक के रूप में, भारतीय संगीत इतिहास की एक बेमिसाल हस्ती हैं।

6. पंडित चक्रवर्ती को कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए हैं जिनमें भारत के माननीय राष्ट्रपति की ओर से पद्म श्री; संगीत नाटक अकादमी (दिल्ली); कुमार गंधर्व (राष्ट्रीय पुरस्कार) और सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक पुरस्कार (बंगाली फिल्म के लिए) शामिल हैं। उन्हें पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा संगीत के सर्वोच्च पुरस्कारों – महा संगीत सम्मान और बंग बिभूषण से सम्मानित किया गया है। उन्हें 2015 में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से 'तानसेन पुरस्कार'; 2014 में कर्नाटक सरकार द्वारा वासवराज राजगुरु सम्मान और 2018 में गुजरात के मुख्यमंत्री से ओंकारनाथ पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। उन्हें आईआईईएसटी, शिबपुर, कल्याणी विश्वविद्यालय, पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय, कूच बिहार, अदमस विश्वविद्यालय और हाल ही में टेक्नो इंडिया विश्वविद्यालय, कोलकाता की ओर से डी.लिट. की उपाधि प्रदान की गई है।